८

मिलकर पढ़िए

तीन दोस्त

बात पुरानी है।
तब बस तीन ही रंग थे।
लाल, पीला और नीला!

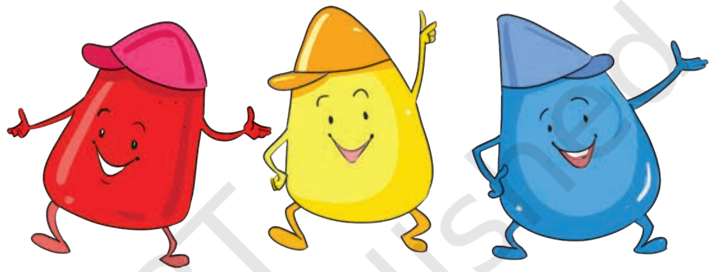

लाल रहता था हर लज़ीज़ वस्तु में,
जैसे टमाटर, सेब, चेरी और आलूबुखारे।

पीले ने बनाया था सूरज को चमकदार
जो मुस्कुराकर देता था रोशनी लगातार।

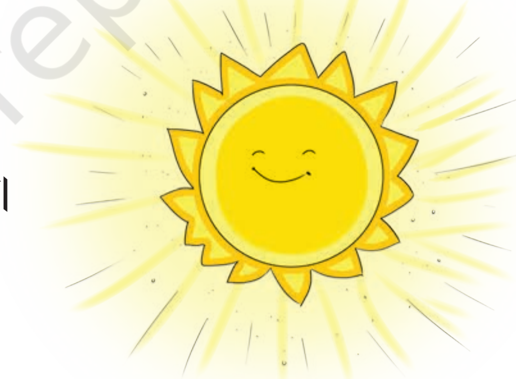

आसमान भी नीला था और समुंदर भी।
पेड़ों से टपकती बारिश भी नीली ही थी।

© NCERT not to be republished

तीनों पक्के दोस्त थे।

एक दिन उन्होंने कहा, "हमें और दोस्त चाहिए। चलो नए दोस्त बनाएँ।" और वे निकल पड़े दोस्तों की तलाश में।

और देखो क्या हुआ!

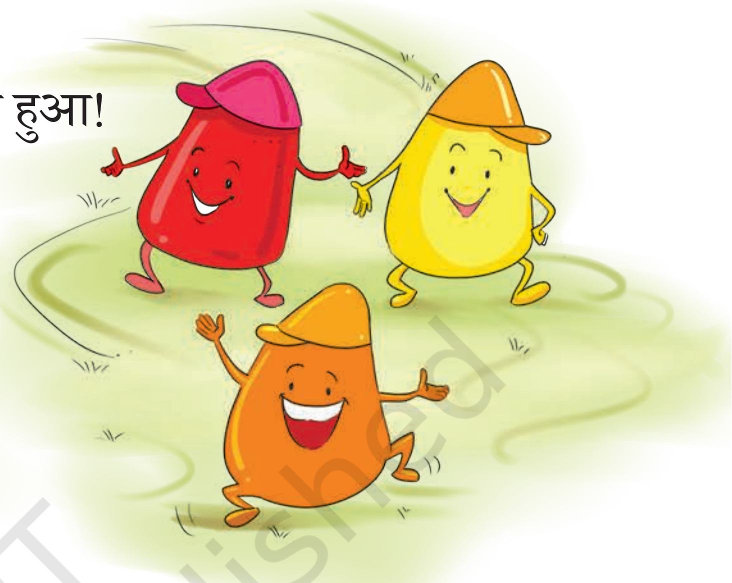

लाल और पीला साथ चले
तो एक नया दोस्त मिला — नारंगी।

पीले और नीले ने हाथ मिलाया
तो एक नया दोस्त मिला — हरा।

लाल और नीले के पास आते ही
एक नया दोस्त मिला — बैंगनी।

और इस तरह उन्होंने दुनिया को बना दिया दोस्ताना और रंगीन।

—इंदु हरिकुमार

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. क्या रंगों की तरह आप भी अपने मित्रों के साथ मिलजुल कर रहते हैं?
2. आप अपने रूठे मित्रों को कैसे मनाते हैं?
3. क्या आसमान हमेशा नीला दिखाई देता है? क्या सूरज हमेशा पीला होता है? क्या पत्ते हमेशा हरे होते हैं? अपने अनुभवों के आधार पर बताइए।
4. आप नए मित्र कैसे बनाते हैं?

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. कहानी में आए रंगों के नाम लिखिए।
2. वाक्य पूरा करें – तीनों रंग पक्के दोस्त थे, फिर भी उन्होंने नए दोस्त बनाए, क्योंकि

   ....

   ....

3. विद्यालय में नारंगी, हरी और बैंगनी रंग की वस्तुओं को खोजिए। उनके नाम भी लिखिए –

नारंगी वस्तुओं के नाम	हरी वस्तुओं के नाम	बैंगनी वस्तुओं के नाम
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

© NCERT not to be republished

आइए, कुछ बनाएँ

1. मेज़ पर अखबार बिछा दीजिए।
2. अलग-अलग ग्लास/कप में तीन रंगों को पानी में घोलिए — लाल, पीला और नीला।
3. ड्रॉपर की सहायता से रंग की बूँदों को अखबार पर छिड़किए।
4. अलग-अलग रंगों की बूँदों को एक-दूसरे के ऊपर और आस-पास छिड़किए तथा नए रंग बनाइए। आप रंग की बूँदों से डिज़ाइन भी बना सकते हैं।
5. सभी रंगों को मिलाकर देखिए। कौन-सा रंग बना?

शब्दों का खेल

रंगों के नाम लिखिए—

'आ' की मात्रा वाले रंग	बिना 'आ' की मात्रा वाले रंग
....	....
....	....

शिक्षण-संकेत – आप फूड कलरिंग या स्याही का इस्तेमाल कर सकते हैं। गतिविधि के बाद बच्चों को सारा सामान सही जगह पर रखने के लिए कहिए और उनके साथ कक्षा को साफ़ कीजिए।

© NCERT not to be republished

चित्रकारी और लेखन

अपनी पसंद के रंग के बारे में सोचिए। वह रंग आपको किन वस्तुओं की याद दिलाता है? उनके चित्र बनाइए। कुछ वाक्य भी लिखिए—

© NCERT not to be republished

चित्र और बातचीत

प्रकृति के रंग

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत

1. चित्र में दिए गए शब्दों से अपनी कहानी बनाइए। कक्षा में सुनाइए।
2. अपने मित्रों के साथ मिलकर चित्र से जुड़े हुए कुछ वाक्य अपनी कॉपी में लिखिए।
3. बच्चों को अपनी भाषा में मन की बात कहने के लिए प्रोत्साहित कीजिए एवं उपयुक्त अवसर प्रदान कीजिए।

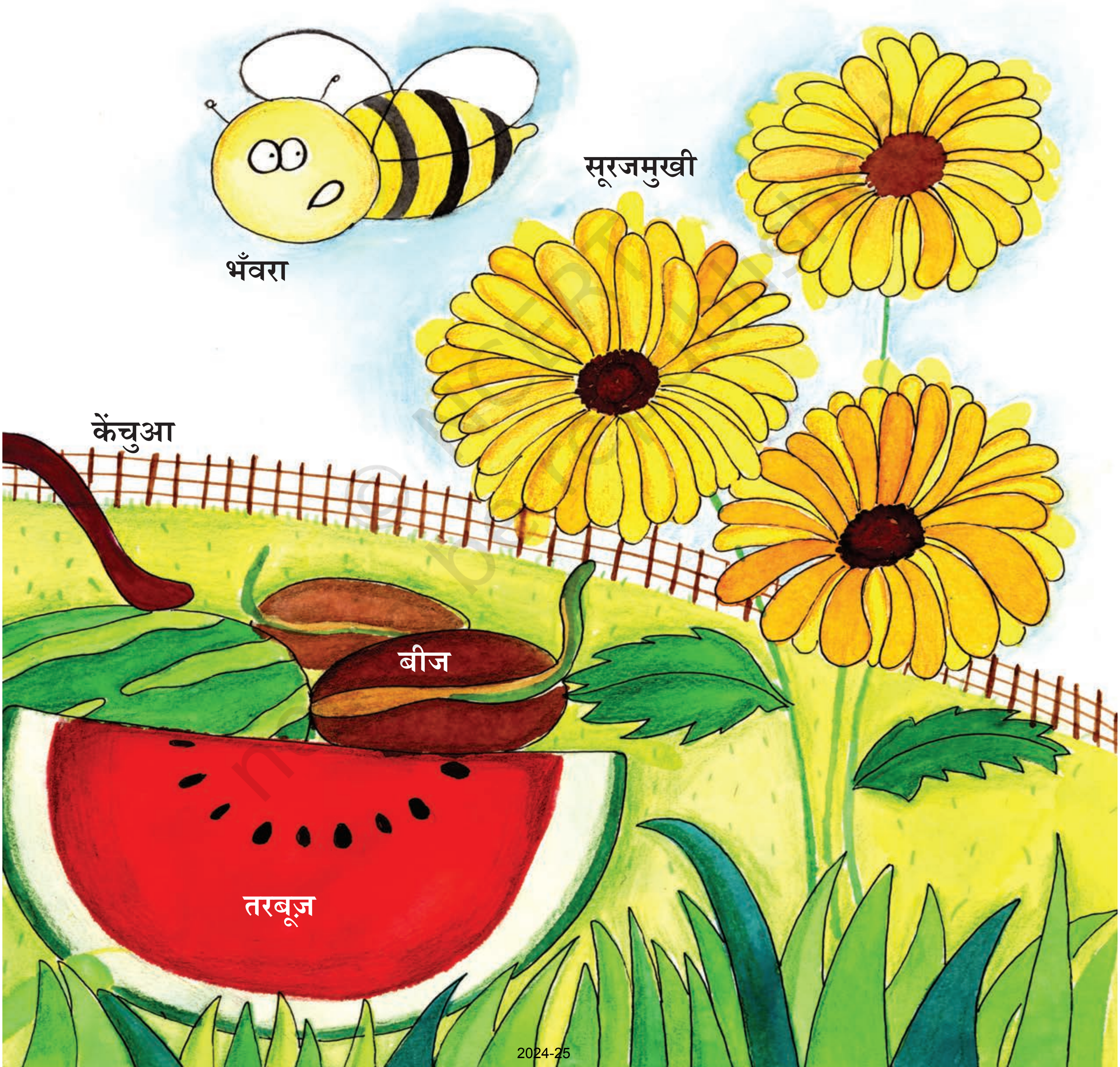

९

आनंदमयी कविता

दुनिया रंग-बिरंगी

नीला! जैसे खुला आकाश है,
सागर का नीला पानी है,
मोर के सुंदर पंख हैं,
और पेड़ पर बैठे पंछी हैं।

पीला! जैसे चमचमाता सूरज है,
पका आम और केला है,
सब्ज़ियों में नींबू है,
और सूरजमुखी का फूल है।

लाल! जैसे फलों में सेब है,
खुशबूदार फूल गुलाब है,
चेरी और लाल टमाटर है,
और मेरी नाक पर फुंसी है।

हरा! जैसे हरी-हरी ये घास है,
मीठे-मीठे मटर हैं,
पालक और बंदगोभी है,
और पेड़ के हरे-हरे पत्ते हैं।

— देविका रंगाचारी

© NCERT not to be republished

सोचिए और लिखिए

1. अपनी पसंद के रंग पर कविता लिखिए, जैसे 'दुनिया रंग-बिरंगी' को लिखा गया है –

2. कविता में नीले रंग के कुछ उदाहरण आए हैं, जैसे– खुला आकाश। कविता में आए उदाहरणों से अलग आप अपने अनुभव से नीले और पीले रंग के कुछ उदाहरण लिखिए –

शब्दों का खेल

बेमेल शब्द को ढूँढ़कर लिखिए –

1.	चूहा	बिल्ली	कुत्ता	मछली	....
2.	दरवाज़ा	खिड़की	छत	पेड़	....
3.	चादर	घर	तकिया	गद्दी	....
4.	साइकिल	कार	रास्ता	रेल	....
5.	दूध	पानी	लड्डू	छाछ	....

© NCERT not to be republished

10

आनंदमयी कविता

कौन

अगर न होता चाँद, रात में,
हमको दिशा दिखाता कौन?
अगर न होता सूरज, दिन को,
सोने-सा चमकाता कौन?

अगर न होती निर्मल नदियाँ,
जग की प्यास बुझाता कौन?

अगर न होते पर्वत, मीठे,
झरने भला बहाता कौन?

© NCERT not to be republished

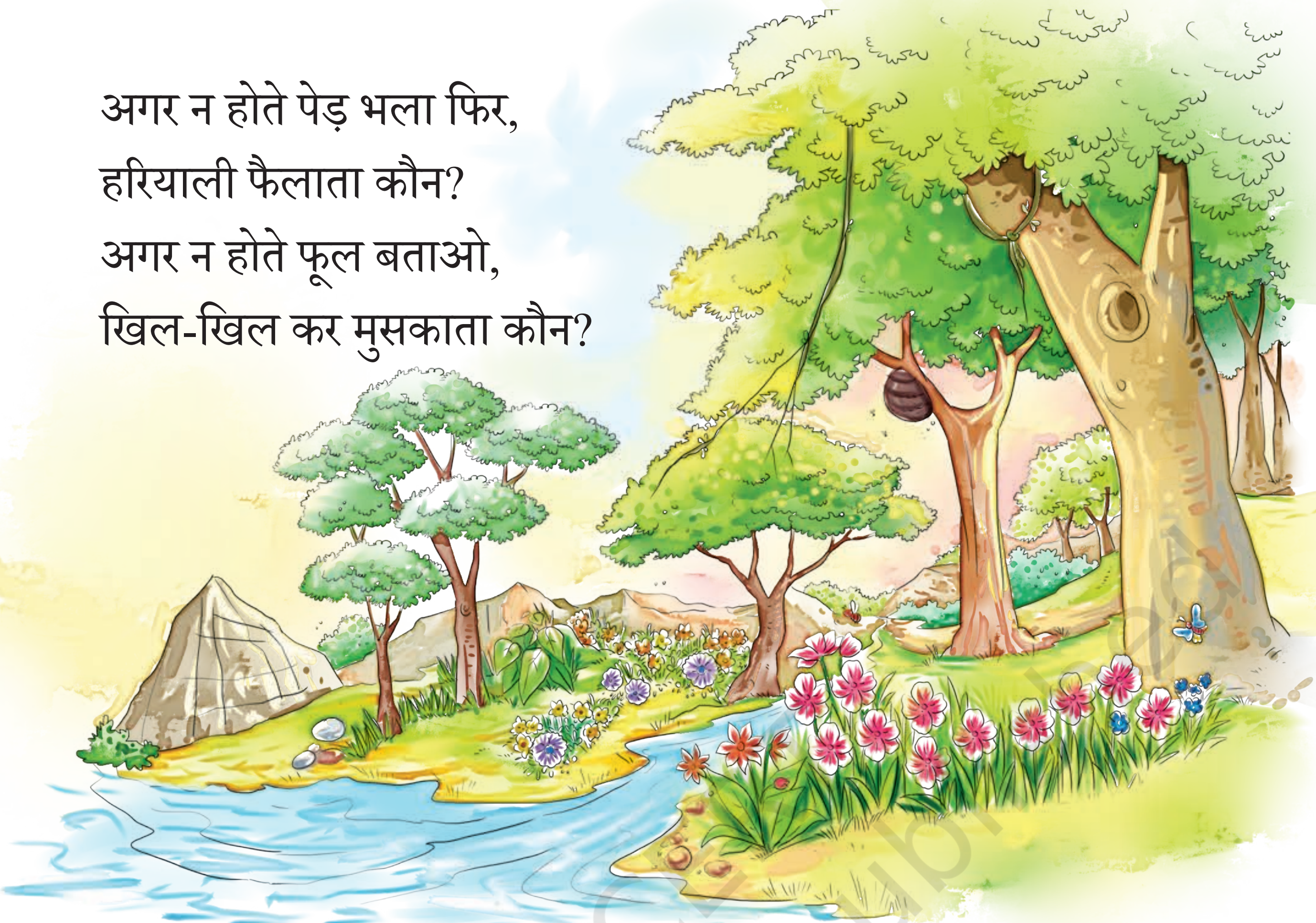

अगर न होते पेड़ भला फिर,
हरियाली फैलाता कौन?
अगर न होते फूल बताओ,
खिल-खिल कर मुसकाता कौन?

अगर न होते बादल, नभ में,
इंद्रधनुष रच पाता कौन?
अगर न होते हम तो बोलो,
ये सब प्रश्न उठाता कौन?

—बालस्वरूप राही

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. अगर चाँद और सूरज न होते तो क्या होता?
2. क्या आपने इंद्रधनुष देखा है?
3. इंद्रधनुष कब बनता है? पता कीजिए।
4. आपने इंद्रधनुष में कौन-कौन से रंग देखे हैं?

सोचिए और लिखिए

1. इन शब्दों से प्रश्न बनाइए –

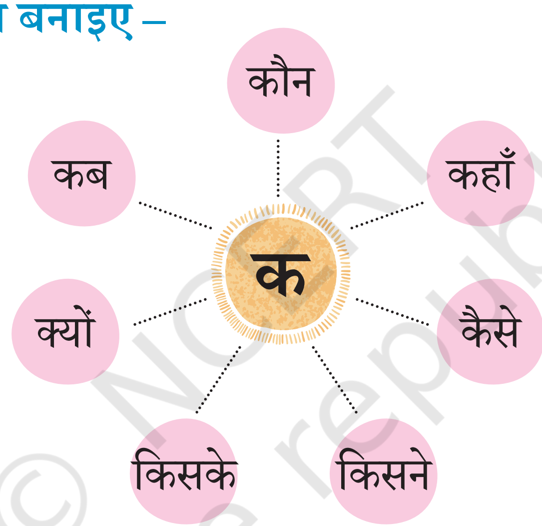

2. कविता के आधार पर नीचे दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए –

(i) अगर पेड़ न होते तो ....

(ii) अगर नदियाँ न होतीं तो ....

(iii) अगर पर्वत न होते तो ....

(iv) अगर फूल न होते तो ....

इसी तरह के कुछ और वाक्य बनाइए और अपनी कॉपी में लिखिए।

© NCERT not to be republished

आइए, कुछ बनाएँ

1. इंद्रधनुष बनाइए और रंग भरिए।

2. हर रंग के सामने अपने बारे में कुछ लिखिए –

लाल — मेरी उम्र .... साल है।

नारंगी — मेरे घर में .... लोग रहते हैं।

पीला — मैं .... में रहता/रहती हूँ।

हरा — मुझे .... खाना बहुत पसंद है।

नीला — मेरा मनपसंद रंग .... है।

जामुनी — मुझे .... बहुत पसंद हैं। (जानवर का नाम)

बैंगनी — मैं .... बनना चाहता/चाहती हूँ।

खोजें-जानें

अपने परिवार के दो सदस्यों को चुनिए और उनसे कुछ ऐसे प्रश्न पूछिए जो आप हमेशा पूछना चाहते हैं। प्रश्नों को पहले ही लिख लीजिए, जैसे— आप भाई-बहन से पूछ सकते हैं कि उनका मनपसंद खेल कौन-सा है। माँ से पूछ सकते हैं कि वे बचपन में क्या नटखटी करती थीं और पिताजी से पूछ सकते हैं कि उन्हें छुट्टी पर कहाँ जाना पसंद है। कक्षा में आकर मित्रों को अपनी बातचीत सुनाइए और उनकी बातचीत भी ध्यान से सुनिए।

© NCERT not to be republished

11

मिलकर पढ़िए

बैंगनी जोजो

जोजो एक सफ़ेद कुत्ता था।

वह एक पेड़ के नीचे सो रहा था।

“घर्र्र्र्र! स्स्स्स! घर्र्र्र्र! स्स्स्स!”

वह जग गया।

“भौं भौं! किसने दिए मुझे बैंगनी धब्बे?”

उसने देखा एक बादल को, आकाश में धीरे-धीरे चलते हुए।

“बादल, बादल, क्या तुमने दिए मुझे बैंगनी धब्बे?”

“नहीं,” बादल बोला। “मैं तो सफ़ेद हूँ।”

बादल हट गया।

© NCERT not to be republished

जोजो ने ऊपर सूरज को देखा।

"सूरज, सूरज, क्या तुमने मुझे दिए बैंगनी धब्बे?"

"नहीं," सूरज बोला। "मैं तो पीला हूँ।"

"कौए, कौए, क्या तुमने दिए मुझे बैंगनी धब्बे?"

"नहीं," कौआ बोला। "मैं तो काला हूँ।"

"गुब्बारे, गुब्बारे, क्या तुमने दिए मुझे बैंगनी धब्बे?"

"नहीं," गुब्बारा बोला। "मैं तो लाल हूँ।"

© NCERT not to be republished

"घास, घास, क्या तुमने दिए मुझे बैंगनी धब्बे?"

"नहीं," घास बोली। "मैं तो हरी हूँ।"

बेचारा जोजो!

"ऊँ, ऊँ, ऊँ! किसने दिए मुझे बैंगनी धब्बे?"

टप! टप! टप!

"आहा! तो वह जामुन का पेड़ था!"

—समीरा ज़ीया कुरेशी

© NCERT not to be republished

सोचिए और लिखिए

1. कहानी में जोजो किस-किस के पास गया। क्रम में लिखिए और चित्र बनाइए –

1

जोजो पहले ....

....

2

फिर वह ....

....

3

उसके बाद वह ....

....

4

अंत में वह ....

....

© NCERT not to be republished

2. कहानी में आए इन शब्दों को पढ़िए और वाक्य बनाकर अपनी कॉपी में लिखिए –

(i) भौं भौं (ii) ऊँ, ऊँ, ऊँ! (iii) टप! टप! टप!

चित्रकारी और लेखन

चित्रों में रंग भरिए। जोजो अगर इन जानवरों के पास जाता तो क्या बातचीत होती? लिखिए–

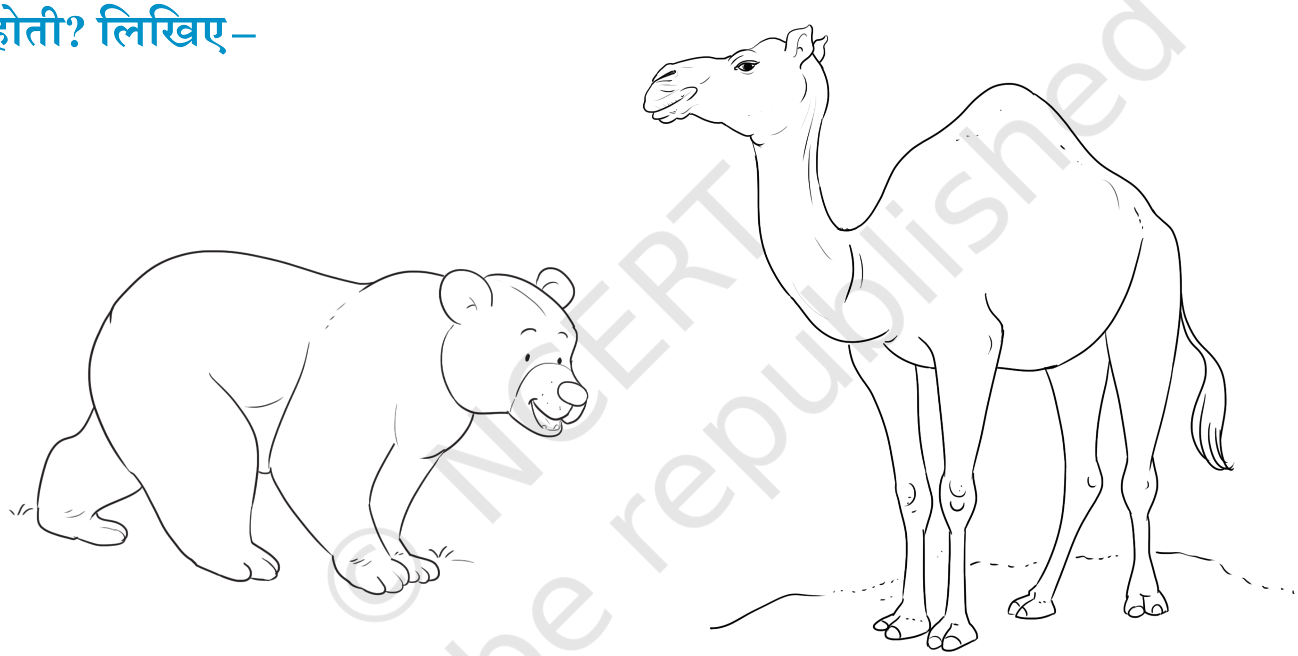

जोजो –	जोजो – ....
....	....
भालू –	ऊँट – ....
....	....

© NCERT not to be republished

पहेली

नीचे दी गई शब्द-पहेली में रंगों के नाम पर घेरा लगाइए –

दा	ता	नी	सा	ह	ती	स
ची	गु	ला	बी	त	फे	स
ना	छ	का	त	द	द	ला
रं	पाँ	च	रा	गु	पी	ल
गी	स	ह	द	ला	ए	पी
तु	ना	ती	न	नी	का	ह

रंग भरिए

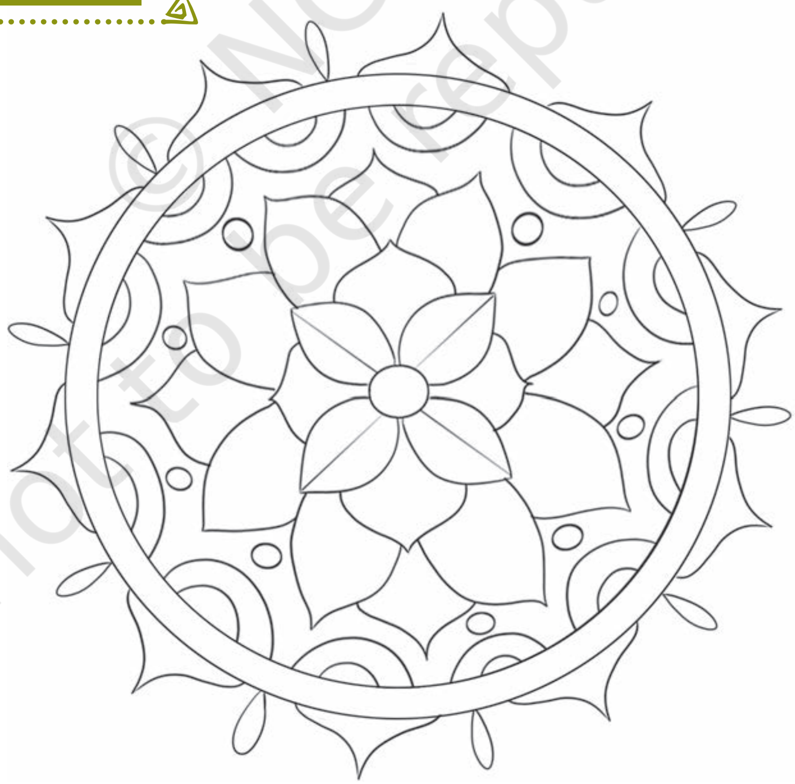

© NCERT not to be republished

12

सुनें कहानी

तोसिया का सपना

एक दिन तोसिया ने सपना देखा। तोसिया बहुत सपने देखती है। वह उठकर सपनों के बारे में बात भी करती है। तोसिया को सपना आया कि दुनिया के सारे रंग उड़ गए हैं। कहीं कोई रंग नहीं बचा।

उसने देखा कि सब कुछ सफ़ेद-सफ़ेद हो गया है।

तोसिया उठी और सपने को याद करने लगी। वह एकदम से घबरा गई। तोसिया सोचने लगी कि क्या सचमुच रंग गायब हो गए हैं।

2024-25

तोसिया रसोई में गई। वहाँ बहुत सारे रंग-बिरंगे मसाले रखे हुए थे। लाल मिर्च, जीरा, हल्दी, धनिया, मेथी।

तोसिया उठकर बाहर बगीचे में गई। वहाँ रंग-बिरंगे फूल खिले हुए थे। गेंदा, चमेली, सदाबहार, गुलाब, सूरजमुखी। तोसिया ने देखा कि उसके कपड़ों में रंग हैं। मम्मी-पापा के कपड़ों में भी रंग हैं। घर में भी खूब सारे रंग दिख रहे थे।

© NCERT not to be republished

तोसिया मम्मी के साथ बाज़ार चल पड़ी। वहाँ खूब सारी रंग-बिरंगी सब्ज़ियाँ थीं। गाजर, बैंगन, टमाटर, सेम, मटर। बाज़ार में पतंग की दुकान भी थी। दुकान में खूब सारी रंग-बिरंगी पतंगें थीं। काली, पीली, नीली, हरी, नारंगी। मम्मी चुन्नी की दुकान पर गईं। वहाँ खूब सारी रंग-बिरंगी चुन्नियाँ थीं। गुलाबी, बैंगनी, फिरोज़ी, आसमानी, भूरी। बाज़ार में गुब्बारेवाला खड़ा हुआ था। उसके पास खूब सारे रंग-बिरंगे गुब्बारे थे। नीले, पीले, हरे, लाल, गुलाबी। तोसिया ने खूब सारे रंग देखे। वह खुश हो गई कि रंग गायब नहीं हुए हैं। वह रंगों को गिनने लगी।

तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई। उसने उठकर देखा कि नानी की सहेलियाँ आई हुई हैं। उन सबके बाल सफ़ेद-सफ़ेद हैं। तोसिया को एक बात याद आई। वह रात को नानी के साथ सोई थी। इसलिए सपने में सब सफ़ेद-सफ़ेद दिखा होगा। तोसिया नानी के बालों को गौर से देखने लगी। वह नानी के बालों को छू-छूकर देखने लगी। तोसिया सोचने लगी कि नानी के बाल सफ़ेद क्यों हैं। उसने नानी से

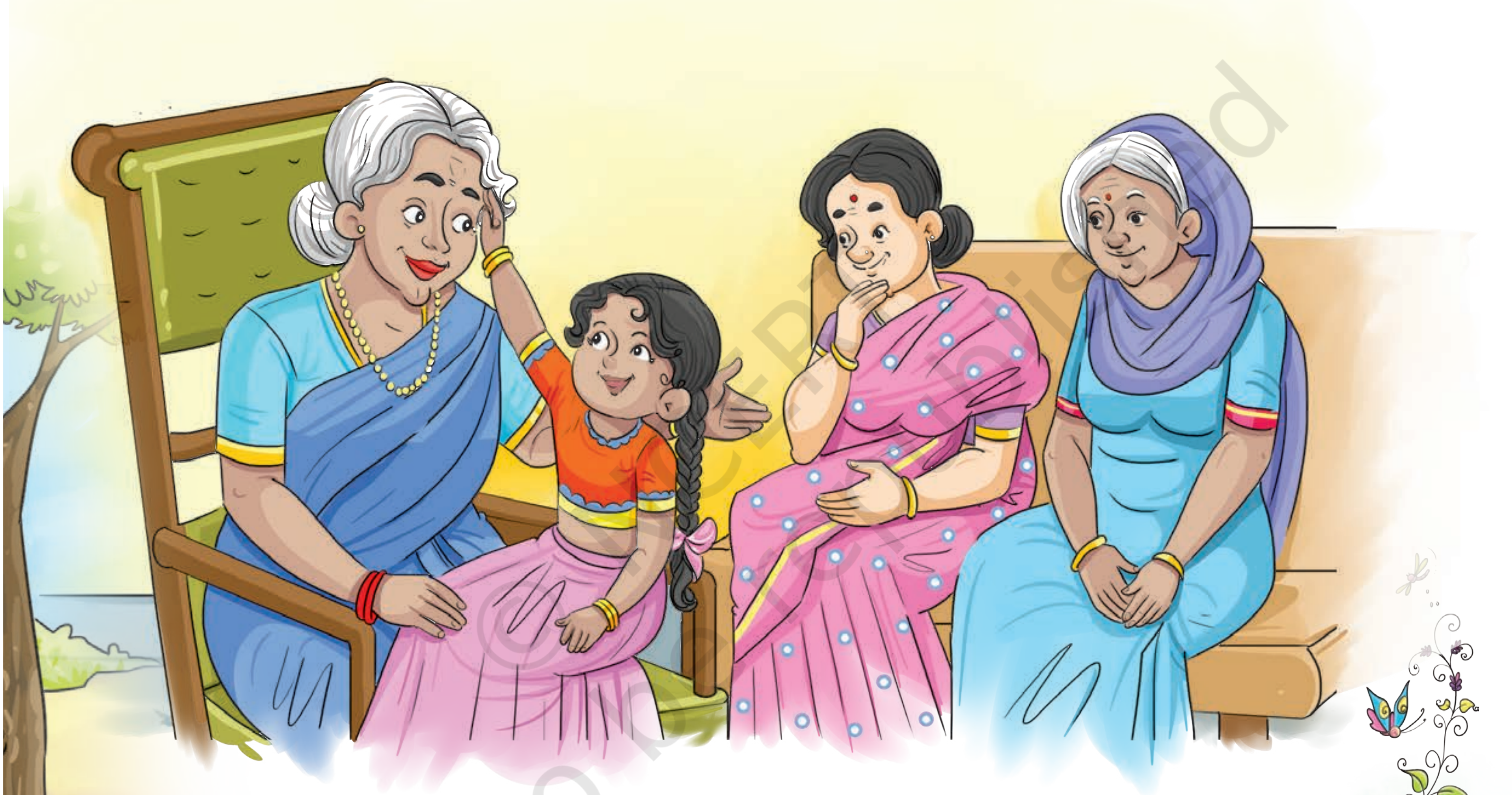

पूछा कि उनके बालों का रंग कहाँ गया। नानी बोलीं कि पहले उनके बाल भी काले थे। फिर उनके बालों का रंग तोसिया के बालों में चला आया।

—बरखा क्रमिक पुस्तकमाला, एन.सी.ई.आर.टी.

बातचीत के लिए

1. क्या आप कभी कोई सपना देखकर खुशी या डर से उठे हैं?
2. अपने सपनों के बारे में बातचीत कीजिए।
3. इस कहानी में कौन-कौन से रंग हैं?
4. संसार में रंग ना हों तो कैसा लगेगा?

खोजें-जानें

कहानी का क्रम खोजिए। फिर उसे पढ़कर सुनाइए–

(   ) तोसिया ने नानी से उनके सफ़ेद बालों के बारे में पूछा।

(   ) तोसिया बाज़ार गई जहाँ रंगीन पतंगें, चुन्नियाँ और गुब्बारे थे।

(   ) तोसिया बगीचे में गई जहाँ तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल थे।

(   ) तोसिया ने सपना देखा कि सब कुछ सफ़ेद हो गया है।

(   ) तोसिया ने रसोई में रंगीन मसाले देखे।

(   ) तोसिया घर आकर दोपहर को सो गई।

शब्दों का खेल

1. रंगों में छुपे शब्द खोजिए और लिखिए –

गुलाबी में गुलाब

आसमानी में ....

बैंगनी में ....

सिंदूरी में ....

© NCERT not to be republished

2. रसोई में रंग –

तोसिया ने रसोई में रंग ही रंग देखे। मिर्च .... रंग की। काली मिर्च .... रंग की। हल्दी .... रंग की। सरसों .... रंग की। धनिया पत्ती .... रंग की और मेथीदाना .... रंग का।

आइए कुछ बनाएँ

नीचे दिए गए चित्रों को देखकर सुंदर-सी कंदील बनाइए –

(हमें चाहिए— रंगीन पेपर, कैंची, गोंद)

1.

2.

3.

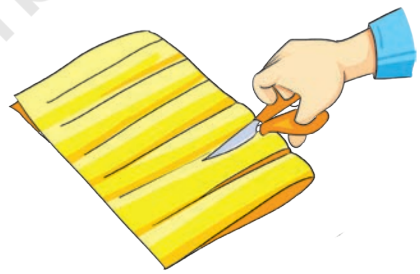

4.

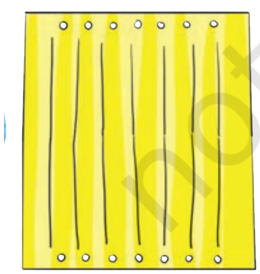

5.

6.

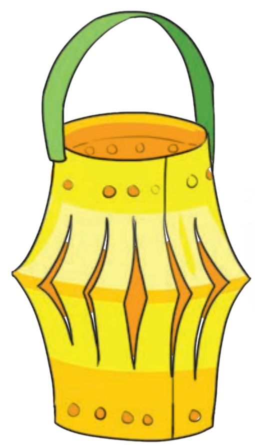

© NCERT not to be republished